

# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## किसान मेले में कुलपति द्वारा स्टालों का निरीक्षण

पंतनगर। 19 अक्टूबर 2022। विश्वविद्यालय में चल रहे किसान मेले में आज तीसरे दिन विश्वविद्यालय कुलपति, डा. मनमोहन सिंह चौहान; निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. अनिल कुमार शर्मा; कुलसचिव, डा. ए.के. शुक्ला एवं निदेशक संचार, डा. एस.के. बंसल द्वारा स्टालों का निरीक्षण किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति द्वारा किसान मेले में लगी व्यावसायिक स्टालों द्वारा छोटे एवं बड़े ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, कम्बाईन, सोलर पैनल आदि का किसानोपयोगी यंत्रों एवं संसाधनों की तकनीकी जानकारी प्राप्त की, जिनको अपनाकर किसान अपने खेतों में उनका उपयोग कर अपनी आमदनी में वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने फर्टिलाइजर के स्टालों का भी अवलोकन किया गया। मेले में पशुपालकों के लिए लगाये गये स्टालों पर कुलपति ने विशेष रुचि दिखायी। उन्होंने स्टाल धारकों से पशुओं में होने वाली समस्याओं एवं दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के बारे में जानकारी ली जिसके माध्यम से पशुपालक अपने दुग्ध उत्पादों को अधिक से अधिक विक्रय कर अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। किसान मेले में उत्तराखण्ड के स्वयं सहायता समूह द्वारा लगाये गये स्टालों पर उनके द्वारा बनाये गये हस्त निर्मित विभिन्न प्रकार के उत्पादों का अवलोकन किया तथा उन्होंने बताया कि इनको बड़े स्तर पर करने की आवश्यकता है, जिससे यह कला पहाड़ी क्षेत्र की महिलाओं को रोजगारपरक बनाने में सहायक सिद्ध होगा। कुलपति द्वारा सरकारी क्षेत्रों के स्टालों पर किसानों के लिए विभिन्न उत्पादन तकनीकों का प्रदर्शन की जानकारी ली जो सभी प्रकार के किसानों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक हैं। इस किसान मेले में विश्वविद्यालय के उत्तराखण्ड में फैले सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के लिए प्रसार शिक्षा का एक विशेष स्टाल 'सतत कृषि विविधिकरण: कृषकों की आय दोगुनी करने की राह' लगाया गया, जिसमें किसानों की समस्याओं का निराकरण किया गया जिसको कुलपति द्वारा काफी सराहा गया। विश्वविद्यालय के महाविद्यालय के स्टाल पर भी वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों द्वारा किसानों को खेती के साथ किये जाने वाले सह-व्यवसाय एवं किसानों की आय दोगुनी करने हेतु नवीनतम तकनीकी एवं जानकारी दी जा रही हैं। वस्तुतः ये एवं ऐसे अन्य सरकारी संस्थाओं के स्टाल अपनी-अपनी जानकारीयों से किसानों को उन्नत तकनीकें एवं विधियां देने का भरसक प्रयास कर रहे हैं, जिससे वे कम व्यय में अधिक उत्पादन एवं आय प्राप्त कर सकें।







